भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1924
बुधवार, 5 अगस्त, 2026 (14 श्रावण 1948 (शक) को उत्तरार्थ

श्वेत क्रांति 2.0 के तहत पहल

1924 श्री विनोद श्रीधर तावड़ेः

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) डेयरी सहकारी समितियों को सुदृढ़ करने, दुग्ध प्रापण बढ़ाने और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए 'श्वेत क्रांति 2.0' के तहत की गई मुख्य पहल क्या हैं;

(ख) क्या डेयरी सहकारी कार्यकलापों के विस्तार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, विशेषकर महाराष्ट्र और बिहार में, की पहचान की गई है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) डेयरी अवसंरचना को सुदृढ़ करने, महिलाओं और छोटे डेयरी किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने और सहकारी संस्थाओं को एकीकृत करने के लिए कौन-कौन से उपाय प्रस्तावित हैं; और

(घ) किसानों की आय में वृद्धि, रोज़गार सृजन और सहकार-आधारित ग्रामीण विकास के संदर्भ में अपेक्षित परिणाम क्या हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) श्वेत क्रांति 2.0 के तहत प्रमुख पहलें हैं: 75,000 नई डेयरी सहकारी समितियों (डीसीएस) का गठन, 46,422 मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों को सशक्त करना और डेयरी क्षेत्र में चक्रीयता और संधारणीयता को बढ़ावा देना । सहकारी दुग्ध प्रापण को बढ़ाने के लिए अब तक, 24,097 नए डीसीएस का गठन किया गया , और 31,394 मौजूदा डीसीएस को सशक्त किया गया है । डेयरी क्षेत्र में चक्रीयता और संधारणीयता को बढ़ावा देने के लिए दो नई बहु-राज्य सहकारी समितियां, अर्थात गोमय सहकारी समिति मल्टी-स्टेट लिमिटेड (जीएसएसएल) और कोऑपरेटिव इनपुट एंड सर्विसेज डिलीवरी मल्टी-स्टेट लिमिटेड (सीआईएसडीएल) स्थापित की गई हैं ।

(ख) श्वेत क्रांति 2.0 के तहत, महाराष्ट्र और बिहार राज्यों सहित देश भर के उन गांवों और पंचायतों में डेयरी सहकारी कार्यकलापों के विस्तार को प्राथमिकता दी गई है, जो पहले सहकारी समितियों द्वारा कवर नहीं किए

गए थे । इस पहल के तहत नई डेयरी सहकारी समितियों (डीसीएस) के गठन और मौजूदा समितियों के सशक्तीकरण के लिए राज्य-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। महाराष्ट्र और बिहार के संबंध में लक्ष्यों और उपलब्धियों से संबंधित ब्योरा नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

क्रम सं.	राज्य	नए डीसीएस का गठन				डीसीएस का सशक्तीकरण			
		2024-25		2025-26		2024-25		2025-26	
		लक्ष्य	प्राप्त किया	लक्ष्य	प्राप्त किया	लक्ष्य	प्राप्त किया	लक्ष्य	प्राप्त किया
1	बिहार	2320	2222	3000	1,875	610	260	2985	3,124
2	महाराष्ट्र	133	735	913	316	419	0	985	244

(ग) डेयरी अवसंरचना को सशक्त करने, महिलाओं और छोटे डेयरी किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने और सहकारी संस्थाओं को एकीकृत करने के लिए किए गए उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल है:

i) डेयरी किसानों को बाजार पहुंच और लाभकारी मूल्य प्रदान करने, छोटे डेयरी किसानों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सहकारी समितियों द्वारा अब तक अनाच्छादित क्षेत्रों में नए डीसीएस का गठन.

ii) बल्क मिल्क कूलर, स्वचालित दुग्ध संग्रह इकाइयों, दुग्ध परीक्षण और गुणवत्ता उपकरण, प्रसंस्करण और शीतलन बुनियादी अवसंरचना के लिए निधीयन सहायता और डेयरी बुनियादी अवसंरचना को सशक्त करने के लिए डेयरी सहकारी समितियों को कार्यशील पूंजी और तकनीकी सहायता ।

iii) डेयरी क्षेत्र में चक्रीयता और संधारणीयता को बढ़ावा देने के लिए दो एमएससीएस की स्थापना:

- गोमय सहकारी समिति मल्टी-स्टेट लिमिटेड (जीएसएसएल) - बायोगैस और जैविक उर्वरकों सहित वैज्ञानिक खाद प्रबंधन के लिए ।
- सहकारी इनपुट और सेवा वितरण मल्टी-स्टेट लिमिटेड (सीआईएसडीएल) - चारा, फोडर, पशु स्वास्थ्य, प्रजनन और तकनीकी सहायता जैसी इनपुट सेवाओं तक किफायती पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ।

(घ) श्वेत क्रांति 2.0 के अपेक्षित परिणामों में निम्नलिखित शामिल हैं:

i) उचित लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करते हुए छोटे डेयरी किसानों के लिए बाजार तक पहुंच.

ii) संधारणीय पद्धतियों को बढ़ावा देकर और डेयरी के चक्रीयता इकोसिस्टम का निर्माण करके किसानों की आय में वृद्धि ।

iii) डेयरी इकोसिस्टम में महिलाओं की अधिक भागीदारी के फलस्वरूप उनका आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक पहचान ।

*****